जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 175 प्रभात कोटा, मंगलवार 9 अप्रेल, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

2019 में राहुल गांधी ने गहलोत व कमलनाथ को डांट पिलायी थी

नाराज़गी का कारण था, दोनों नेता अपने-अपने पुत्रों को जिताने में ही व्यस्त थे तथा अन्य सीटों की अवहेलना हो रही थी, चुनाव प्रचार की दृष्टि से

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी ने अशोक गहलोत और कमलनाथ को जमकर लताड़ा था और कहा था कि आप लोगों का ध्यान सिर्फ अपने पुत्रों के चुनाव पर था, जिसका परिणाम यह हुआ कि अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की अनदेखी की गई।

वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव वर्ष 2019 के परिदृश्य का दोहराव है।

अशोक गहलोत का पूरा फोकस अपने पुत्र वैभव गहलोत के चुनाव पर है। वह अपनी पार्टी के सभी अन्य सभी प्रत्याशियों और निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गहलोत ने बसपा प्रत्याशी को अपना नाम वापस लेने के लिए राजी कर लिया है ताकि उन्हें मायावती के वोट बैंक यानी दलितों के वोटों की मदद मिल सके। बसपा प्रत्याशी गहलोत का आदमी था। पहले उसे चुनाव लड़ने के लिए कहा गया और अब उसे नाम वापिस लेने के लिए कहा गया है।

सूत्र कहते हैं कि गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर में भाजपा के गजेन्द्र सिंह शेखावत के हाथों पिछला लोकसभा चुनाव हार चुके वैभव गहलोत की राह जालोर-सिरोही में भी आसान नहीं है।

- पांच साल बाद, पुनः 2019 की स्थिति दोहरा रहे हैं दोनों नेता, अब 2024 के लोकसभा चुनाव में।
- अशोक गहलोत इस बार भी अपने पुत्र वैभव की जालौर-सिरोही सीट पर सिमट कर रह गये हैं।
- हालांकि, इस बार भी वैभव के जीतने की संभावना क्षीण है। जैसा कि विदित ही है, वैभव गहलोत परिवार की पुरानी सीट पर हार गये थे।
- पर, विडम्बना यह है कि, गहलोत का पूरा ध्यान अपने पुत्र की सीट पर ही केन्द्रित है और वे राजस्थान की अन्य सीटों पर मुश्किल से निकल रहे हैं, उन्हें राजस्थान की चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस नियुक्ति में मल्लिकार्जुन खड़गे ने गहलोत की मदद की है।
- पर, गहलोत ने अपने पद का उपयोग करते हुए, प्रियंका गांधी का प्रोग्राम तय करवा दिया है, जालौर में आमसभा संबोधित करने के लिये।
- पर, यह भी सच है कि, गहलोत के अथक प्रयासों के बावजूद, पुत्र कमजोर विकेट पर है जालौर में, क्योंकि धीरे-धीरे बाहरी उम्मीदवार होने का चार्ज वैभव पर चिपकता जा रहा है।

वैभव मूलतः अपने पिता के व्यापारिक हितों तथा उद्योगपतियों एवं व्यापारियों के साथ डीलिंग का काम करते हैं और राजनीति से उनका कोई लेना देना नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत का एकमात्र मिशन रह गया है, जूनियर गहलोत को जितवाना।

इसके बिल्कुल विपरीत सचिन पायलट अपनी पार्टी के उम्मीदारों के चुनाव प्रचार के लिए राजस्थान भर में दौरा कर रहे हैं। उनकी सभाओं में दौरे घूम भारी भीड़ उमड़ रही है और वे जनता से कांग्रेस के लिए समर्थन मांग रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि गहलोत कहीं भी चुनाव प्रचार करते नहीं दिख रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें एक राजस्थान में कांग्रेस की चुनाव प्रचार कमेटी का चेयरमैन बना दिया गया है जो अपने आप में हैरान कर देने वाली घटना है।

ए.आई.सी.सी. में इसको लेकर चर्चा है कि गहलोत ने शायद स्वयं को चुनाव प्रचार कमेटी का चेयरमैन बनवाने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे को राजी किया होगा।

वैभव गहलोत के पक्ष में जालोर-सिरोही में आगामी 14 अप्रेल को हो रही रैली को संबोधित करने के लिए गहलोत ने प्रियंका गांधी को भी मना लिया है। राहुल गांधी जोधपुर में करण सिंह के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

एक पुरानी कहावत है, चीजें जितनी ज्यादा बदलती हैं उतनी ही ज्यादा वे मूल स्वरूप में होती है। लगता है ऐसी ही गाथा कुछ कांग्रेस और गहलोत की है।

कांग्रेस व नैशनल कॉन्फ्रैंस में समझौते पर मुहर लगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। कांग्रेस व नैशनल कॉन्फ्रैंस ने सोमवार को घोषित किया कि, उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव जम्मू व कश्मीर एवं लद्दाख में संयुक्त रूप से मिलकर लड़ने का निर्णय किया है दोनों पार्टियां तीन-तीन निर्वाचन क्षेत्रों में अपने-अपने प्रत्याशी मैदान में उतरेंगी।

नैशनल कॉन्फ्रैंस अनंतनाग, श्रीनगर व बारामूला की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगी जबकि कांग्रेस उधमपुर, जम्मू व लद्दाख सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेगी।

दिल्ली में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में नैशनल कॉन्फ्रैंस के नेता उमर अब्दुल्लाह कहा कि नैशनल कॉन्फ्रैंस उधमपुर, जम्मू व लद्दाख सीट

- जम्मू कश्मीर में दोनों दल 3-3 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

पर कांग्रेसी प्रत्याशियों का समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि "इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने से जम्मू व कश्मीर एवं लद्दाख की जनता की महत्वावाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और उनका संसद में सही मायने में प्रतिनिधित्व होगा।"

सीटों के बंटवारे का यह समझौता कांग्रेस व नैशनल कॉन्फ्रैंस के नेताओं के मध्य विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है। इस पत्रकार सम्मेलन के दौरान कांग्रेस की सीट शेयरिंग कमेटी के एक सदस्य सलमान खुर्शीद भी मौजूद थे।

जब इंडिया गठबंधन में पी.डी.पी. के शामिल होने के बारे में सवाल किया तो उसके जवाब में उन्होंने कहा कि पी.डी.पी. अभी भी गठबंधन का हिस्सा

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मजबूत तिमाही नतीजे आने की उम्मीद में बाजार नये शिखर पर

मैटल्स और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली देखी गई

मुंबई 8 अप्रैल (वार्ता)। दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे मजबूत रहने की उम्मीद में ऑटो, तेल एवं गैस, ऊर्जा, सीडी, धातु और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार नये शिखर पर पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 494.28 अंक अर्थात 0.67 प्रतिशत की छलांग लगाकर 74,742.50 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 152.60 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,666.30 अंक के शिखर पर पहुंच गया। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मिडकैप 0.26 प्रतिशत बढ़कर 40,937.30 अंक पर रहा जबकि स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत फिसलकर 46,003.86 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4055 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1898 में लिवाली जबकि 2033 में बिकवाली हुई वहीं 124 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 37 कंपनियां हरे जबकि शेष 13 लाल निशान पर बंद हुईं।

विश्लेषकों के अनुसार, कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के परिणाम आने वाले हैं। इन कंपनियों की आय में बढ़ोतरी होने की उम्मीद में बाजार उछल गया। ऑटो, रियल्टी, तेल एवं गैस और सीडी समूह ने बेहतर प्रदर्शन किया जबकि खर्च में मंदी के कारण चौथी तिमाही की धीमी रफ्तार की आशंका से आईटी समूह के शेयर सुस्त रहे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़े जारी होने के बाद निवेशक इस सप्ताह अमेरिकी महंगाई आंकड़े, यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के नीतिगत निर्णय और ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के जारी होने वाले आंकड़े का इंतजार कर रहे हैं।

बीएसई के 16 समूहों में जमकर लिवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.72, सीडी 1.14, ऊर्जा 1.24, एफएमसीजी 0.04, वित्तीय सेवाएं 0.10, हेल्थकेयर 0.23, इंडस्ट्रियल्स 0.52, दूरसंचार 0.74, यूटिलिटीज 0.90, ऑटो 1.65, बैंकिंग 0.45, कैपिटल गुड्स 0.51, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.78, धातु 1.10, तेल एवं गैस 1.51, पावर 0.58 और रियल्टी समूह के शेयर 1.21 प्रतिशत मजबूत रहे।

वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.09, जर्मनी का डैक्स 0.57, जापान का निक्केई 0.91, हांगकांग का हैंगसेंग 0.05 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 प्रतिशत चढ़ गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.72 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 307 अंक की तेजी के साथ 74,555.44 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद 74,410.07 अंक के निचले स्तर तक आ गया। वहीं, इसके बाद हुई लिवाली के दम पर दोपहर बाद यह 74,869.30 अंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 74,248.22 अंक के मुकाबले 0.67 प्रतिशत उछलकर 74,742.50 अंक हो गया।

निफ्टी भी 65 अंक की बढ़त लेकर 22,578.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,550.35 अंक के निचले जबकि 22,697.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,513.70 अंक की तुलना में 0.68 प्रतिशत की छलांग लगाकर 22,666.30 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन प्रमुख कंपनियों ने मुनाफा कमाया उनमें मारुति 3.26, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.22, एनटीपीसी 2.54, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.39, एलटी 1.92, रिलायंस 1.75, एक्सिस बैंक 1.61, पावरग्रिड 1.24, भारती एयरटेल 1.18, इंडसइंड बैंक 1.11, टाटा स्टील 1.10, टाटा मोटर्स 0.59, एसबीआई 0.53, आईसीआईसीआई बैंक 0.30, टेक महिंद्रा 0.16 और बजाज फाइनेंस 0.04 प्रतिशत शामिल हैं। वहीं, नेस्ले इंडिया 1.59, विप्रो 1.09, सन फार्मा 0.51, एचसीएल टेक 0.37, टाइटन 0.32, एचडीएफसी बैंक 0.22, इंफोसिस 0.17 और टीसीएस के शेयर

आज दिल्ली में एन.डी.ए. की और बैंगलुरू में इंडिया ब्लॉक की मीटिंग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नयी दिल्ली, 8 अप्रैल। मंगलवार को नई दिल्ली में सत्तारूढ़ नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) की मीटिंग हो रही है इसमें 38 पार्टियों के नेता शामिल होंगे, इनमें वो दल भी शामिल हैं जिनका संसद में कोई प्रतिनिधि नहीं है।

- एन.डी.ए. की मीटिंग में 38 पार्टियां शामिल होंगी, वहीं इंडिया ब्लॉक की बैठक में 26 पार्टियां भाग लेंगी।

एक पत्रकार सम्मेलन में सोमवार को इस बैठक के बारे में घोषणा करते हुए भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पिछले वर्षों में एन.डी.ए. की लोगों तक पहुंच व उसकी संभावना में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सकारात्मक योजनाओं व नीतियों के कारण एन.डी.ए. के घटक

(शेष पृष्ठ 4 पर)

पूर्व मु.मंत्री वाय.एस.आर. की राजनीतिक विरासत के लिये भाई-बहन आमने सामने

वर्तमान मु.मंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी व उनकी बहन शर्मिला, जो कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष भी हैं, के बीच चल रहे युद्ध ने चुनावों को रोचक बना दिया है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। आंध्र प्रदेश सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर.सी.पी.) और तेलुगू देसम पार्टी (टी.डी.पी.) के बीच एक मजेदार चुनावी मुकाबले का साक्षी बन रहा है।

टी.डी.पी., जन सेना और भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन में हैं, लेकिन एक और अधिक दिलचस्प छोटा मुकाबला मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी और उनकी बहन वाय.एस. शर्मिला के बीच अपने पिता की विरासत को लेकर है। संयोगवश, वाय.एस. शर्मिला ने इस वर्ष की शुरुआत में ही आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के प्रमुख का पद संभाला है।

आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव एक उम्मीद के मुताबिक द्वि ध्रुवीय संघर्ष होता, लेकिन यहाँ कांग्रेस के पुनरुत्थान और शर्मिला के मौजूदगी ने इसे रोचक बना दिया है। शर्मिला वाय.एस.आर. की बिद्दा अर्थात बेटी के नाम पर वोट मांग कर अपने चुनाव प्रचार में एक भावनात्मक पुट डाल रही हैं। हालांकि, उन्होंने अपने भाई पर कुशासन का आरोप लगाने की कभी कोशिश नहीं की, लेकिन वे उनके आपराधिक अतीत को लेकर जरूर आरोप लगा रही हैं जिसमें वह राजनीतिक हत्याओं के कथित रूप से मास्टरमाइंड रहे थे।

- मजे की बात यह है कि इस रोचक जंग में भाजपा पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यहां जगन मोहन की पार्टी और चन्द्र बाबू नायडू की पार्टी, चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनी तो, मोदी को अपना समर्थन देना जारी रखेगी।

मजेदार बात यह है कि आंध्र प्रदेश में कोई भी जीते भाजपा को कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव परिणाम के बाद बनने वाली केन्द्र सरकार के दौरान वाय.एस.आर.सी.पी. और टी.डी.पी. दोनों ही भाजपा का समर्थन करेंगे। वाय.एस.आर.पी. ने प्रत्येक मुद्दे पर संसद में भाजपा सरकार का समर्थन कर हर मुश्किल वक्त में उसका साथ

(शेष पृष्ठ 4 पर)

वर्तमान चुनाव में पहली बार कांग्रेस ने प्र.मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। वर्तमान चुनाव में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ पहली शिकायत दर्ज करवाई। कांग्रेस ने सोमवार को मोदी पर आरोप लगाया कि वे कांग्रेस के घोषणा पत्र की तुलना मुस्लिम लीग आज़ादी से पहले की विचारधारा और सोच से कर रहे है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से इस पर कार्यवाही करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने छः अप्रैल को अजमेर में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के घोषणा पत्र को "झूठ का पुलिंदा" बताया था और कहा कि, इसमें "आजादी से पहले की मुस्लिम लीग के विचारों की गहरी" छाप नजर आती है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि, मोदी की टिप्पणियों ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है और भारतीय दंड संहिता (इंडियन पीनल कोड) की धारा 153के तहत, "दो समुदायों के बीच धर्म के आधार पर शत्रुता फैलाने" के लिए दण्डनीय कृत्य है।

- चुनाव आयुक्त के समक्ष यह शिकायत दर्ज करते हुए, कांग्रेस के कहा, प्र.मंत्री मोदी ने अजमेर में विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, कांग्रेस का वर्तमान सोच व चिंतन में आज़ादी के पूर्व मुस्लिम लीग की फिलॉसफी का प्रतिबिम्ब है और यही सोच देश के विभाजन का आधार बनी थी।
- शिकायत के अनुसार, प्र.मंत्री ने जनता को धर्म के नाम पर ध्रुवीकृत करके चुनाव में लाभ उठाने का प्रयास किया है। दो समुदायों में साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया है, अतः प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये।
- एक अन्य शिकायत में कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि, भाजपा ने भारतीय सेना व जवानों के फोटो को अपने चुनाव प्रचार में उपयोग किया है, जो कानूनन वर्जित है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत में कहा है, "असत्य, अज्ञात और अफसोसजनक दावे करके, नरेन्द्र मोदी ने मतदाताओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया है। विभाजन की दहशत की याद दिलाई, मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की है।" शिकायत में कहा गया है कि, प्रधानमंत्री की टिप्पणियों से कांग्रेस समर्थकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है क्योंकि उन्होंने जनता को विश्वास दिला दिया है कि कांग्रेस "भारत को विभाजित" करना चाहती है।

कांग्रेस ने अपनी शिकायत में कहा, "यही वक्त है जब चुनाव आयोग, सभी राजनैतिक दलों को समान अवसर देना सुनिश्चित करके, अपनी निष्पक्षता दर्शा सकता है। अपने स्तर पर, इस शासन को बेनकाब करने के लिए, हम सभी रास्तों, राजनैतिक और कानूनी की खोज करते रहेंगे।"

मोदी की टिप्पणियों पर की गयी शिकायत, उन पांच शिकायतों में से एक है जो कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की है। एक अन्य शिकायत में पार्टी ने प्रधानमंत्री के रक्षा कर्मियों के साथ बने हुए विडियो का चुनाव प्रचार में इस्तेमाल करने के लिए, भाजपा के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की है। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री, स्मृति ईरानी के "एक्स" पर एक हालिया पोस्ट को उद्धृत किया,

(शेष पृष्ठ 4 पर)